आन्या फाउंडेशन द्वारा कोटा में सिलाई मशीनों के वितरण के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

आन्या फाउंडेशन के पदाधिकारीगण और सदस्यगण; देवियो और सज्जनो:

मेरे सभी भाइयों और बहनों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं ।

रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के पवित्र बंधन का प्रतीक है। यह भाई-बहन के भावनात्मक आपसी सम्बन्धों और बचपन की यादों का त्यौहार है। बहन मां की ही परछाईं होती है, बहनों के बिना कोई भी परिवार अधूरा होता है। आप सभी से भेंट करने का इससे बेहतर अवसर और क्या हो सकता था? आज यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

यहां उपस्थित मेरी सभी बहनों से मैं कहना चाहता हूं कि आप सभी में जीवन में आगे बढ़ने की क्षमता है। हर महिला में कठिन से कठिन लक्ष्य प्राप्त करने का साहस, जुनून, दृढ़ संकल्प और काबिलियत होती है। आप जो चाहे वह कर सकती हैं। यह आप पर निर्भर करता है।

आप में से प्रत्येक महिला नए रास्तों पर चलते हुए प्रतिकूल परिस्थितियों का जीवटता से सामना कर सकती है और जीवन में अपना वांछित मुकाम हासिल कर सकती है। आप सभी अपने अदम्य साहस और उत्साह के बल पर समाज के लिए कुछ कर सकने की योग्यता रखती हैं।

हमें आपकी क्षमताओं पर पूरा भरोसा है। अब समय आ गया है कि आप सामाजिक और आर्थिक बेड़ियों को तोड़कर जीवन में आगे बढ़े। आपकी प्रतिबद्धता अन्य लोगों के लिए प्रेरणा बन सकती है।

महिलाओं की स्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में आन्या फाउंडेशन द्वारा किए गए अथक प्रयासों के लिए मैं उनकी सराहना करता हूँ।

महिलाओं को सामाजिक बेड़ियों से मुक्त करने में काफी समय लग सकता है, फिर भी प्रयास किए जाने चाहिएं।

महिलाओं को जीवन यापन का एक स्थायी साधन प्रदान करने के लिए सिलाई मशीन का वितरण एक नवीन पहल है। महिला सशक्तीकरण, विशेष रूप से हमारे समाज के वंचित वर्ग की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में किए जा रहे ऐसे प्रयास उनके जीवन को पटरी पर ले आते हैं।

इसके अलावा, समाज के विभिन्न वर्गों की महिलाओं को अपने और अपने परिजनों के लिए बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए सक्षम बनाने की दिशा में इस फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं।

जिन क्षेत्रों का चयन किया गया है, वे हमारे समाज को समावेशी, प्रगतिशील और समृद्ध बनाने की दृष्टि से प्रासंगिक हैं।

हमारी बहनें मानव जाति का आधार हैं और आन्या द्वारा हमारी बहनों को इस तरीके से सम्मानित करने का विचार वास्तव में सराहनीय है। इस दिशा में आन्या फाउंडेशन द्वारा किए गए सफल प्रयासों से हमारे देश को लाभ होगा।

हमारा देश विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। स्वतंत्रता के लिए हमारा संघर्ष बहुत लंबा रहा और इसमें कई पीढ़ियों ने योगदान दिया है। हमारी

स्वतंत्रता के कई दशकों के बाद भी, आज हम सामाजिक - आर्थिक क्षेत्रों में कई प्रकार की समस्याओं और चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

राष्ट्र निर्माण का कार्य बहुत व्यापक और महान है, इसलिए इसमें सभी हितधारकों के सहयोग की आवश्यकता होती है।

अतः, राष्ट्र के गरिमापूर्ण अस्तित्व और प्रगति को सुनिश्चित करने हेतु मानव संसाधन की गुणवत्ता हमारे लिए मूल्यवान संपत्ति है। हमारे देश को ऐसे उत्साही लोगों की आवश्यकता है जो राष्ट्र को प्रगति की दिशा में आगे बढ़ा सकें।

हमें ऐसे लोगों की जरूरत है जो ऊर्जा से भरे हों, आंतरिक शक्ति से युक्त हों तथा बाधाओं के बावजूद भी अथक प्रयास करते रहें।

किसी भी साझे विजन को आकार देने हेतु हमारे समाज में व्याप्त वर्ग गत भावना से ऊपर उठकर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता होती है, ताकि भारत विश्वभर में रहने के लिए पहली पसंद बन सके।

जब हम सभी मिलकर अपने समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे बढ़ने के लिए उपयुक्त वातावरण उपलब्ध करवायेंगे तथा विकास और उन्नति के लिए अवसर और विकास के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करेंगे, तभी एक दिन भारत सर्वश्रेष्ठ बन सकेगा।

प्रत्येक व्यक्ति का योगदान और प्रत्येक व्यक्ति की सफलता की कहानी ही हमारे देश को समानता और समता के सूत्र में पिरो सकती है।

आप सभी जानते हैं कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण को अत्यधिक प्राथमिकता देती है। इसलिए, सरकार ने सतत रूप से महिलाओं संबंधी मुद्दों का समाधान करने हेतु बहुआयामी दृष्टिकोण

को अपनाया है ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाया जा सके।

विगत कई वर्षों के दौरान हमारे देश में महिलाओं के समग्र विकास और सशक्तिकरण हेतु कई पहलें की गई हैं। इनमें प्रमुख हैं - समग्र शिक्षा, छात्रवृत्ति योजनायें, बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना, स्वच्छ विद्यालय मिशन, आदि।

ये योजनाएं सुनिश्चित करती हैं कि विद्यालयों की अवसंरचना, सभी बालिकाओं, विशेषकर समाज के पिछड़े वर्गों की बालिकाएं के अनुकूल हों और उनमें बालिकाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पर्याप्त सुविधाएँ मौजूद हों।

आप अवगत हैं कि भारत सरकार ने 'प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान' शुरू किया है, ताकि ग्रामीण भारत में छह करोड़ ग्रामीण परिवारों (प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति) को डिजिटल साक्षरता प्रदान की जा सके।

इस योजना का उद्देश्य विभिन्न वर्गों, विशेष रूप से समाज के हाशिये पर रहने वाले तबकों - जैसे अनुसूचित जातियों /अनुसूचित जनजातियों, अल्पसंख्यकों, ग़रीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों, महिलाओं और नि:शक्त व्यक्तियों सहित ग्रामीण जनसंख्या के मध्य डिजिटल ज्ञान संबंधी विषमताओं की खाई को पाटना है।

'प्रधानमंत्री विद्या लक्ष्मी कार्यक्रम' के तहत, सरकार द्वारा विद्या लक्ष्मी पोर्टल शुरू किया गया है ताकि छात्रों को बैंकों के सिंगल विंडो सिस्टम के

माध्यम से आसानी से शिक्षा ऋण मिल सके। सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंक इस पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

महिला कामगारों को रोजगारपरक बनाने के लिए सरकार, महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों और क्षेत्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान कर रही है।

कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करके महिलाओं की आर्थिक स्वतन्त्रता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने स्किल इंडिया मिशन भी शुरू किया है।

राष्ट्रीय कौशल विकास नीति का उद्देश्य महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करना और समावेशी कौशल विकास को बढ़ावा देना है।

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये प्रधान मंत्री मुद्रा योजना और 'स्टैंड-अप इंडिया' जैसी योजनाएं शुरू की गई हैं। सरकार ने 'स्टैंड-अप इंडिया' योजना के तहत दस लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रूपये तक के ऋण उपलब्ध कराएं हैं, जिनमें से 81% ऋण महिलाओं को दिए गए हैं।

इसी प्रकार, सरकार की एक और प्रमुख योजना, 'मुद्रा' (माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट्स एण्ड रिफाइनेंस एजेंसी') योजना के तहत दस लाख रूपये तक के 68% ऋण महिलाओं के स्वामित्व वाले और महिलाओं द्वारा संचालित उद्यमों को प्रदान किये गए हैं ।

सरकार द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में महिलाओं के लिए बनाई गई योजनाओं और कार्यक्रमों का विलय किए जाने हेतु सिंगल विंडो सिस्टम की आवश्यकता को स्वीकार किया।

इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए शुरू की गई एक प्रमुख योजना 'मिशन शक्ति' की उप-योजना 'सामर्थ्य' के तहत राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर महिला सशक्तिकरण केन्द्रों की स्थापना कर रही है।

इन केन्द्रों का उद्देश्य आवश्यक सूचना का प्रचार-प्रसार करने और स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, करियर और व्यावसायिक परामर्श/ प्रशिक्षण, वित्तीय समावेशन, उद्यमिता, बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज, कामगारों के स्वास्थ्य और सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता आदि से संबंधित सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए विभिन्न संस्थागत और योजनागत प्रणालियों तक महिलाओं की पहुंच को आसान बनाना है।

अंत में, मैं महिलाओं के उत्थान हेतु की गई इस शानदार पहल के लिए आन्या फाउंडेशन को बधाई देता हूं।

मुझे पूरा विश्वास है कि आपका कार्य हर आयु वर्ग के लोगों को प्रेरित करेगा और बड़ी संख्या में लोगों को समाज के हित में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगा।

मैं आपसे भविष्य में पूरे समर्पण के साथ ये प्रयास जारी रखने का अनुरोध करता हूँ। मैं आपके भावी प्रयासों की सफलता के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।